अंक-197 कानपुर, रविवार 24 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन, प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(18 सितम्बर से 23 सितम्बर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों, प्रवासी श्रमिकों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी,छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

वर्ष-17 अंक-263 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 24 सितम्बर 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन

प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(18 सितम्बर से 23 सितम्बर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों, प्रवासी श्रमिकों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी,छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा मे प्रसारित

कानपुर, रविवार 24 सितम्बर 2023 पृष्ठ : 8

मशरूम की छह दिवसीय कार्यशाला का समापन प्रमाण पत्र का हुआ वितरण

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय (18 सितम्बर से 23 सितम्बर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्त्रोत है जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी, छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

24,09,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

सीएसए में 6 दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन, प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(18 सितम्बर से 23 सितम्बर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों, प्रवासी श्रमिकों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी,छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

मशरूम के पोषणीय महत्व होने के साथ इसका उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है: कुलपति

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन शनिवार को हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। कुलपति ने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व होने के साथ इसका उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने बताया कि मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है यह एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने मशरूम में उपस्थित पोषक तत्वो को मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक बताया। नोडल अधिकारी डॉ.एस.के .विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से मशरूम की खेती का उद्यम अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की बात कही। उन्होंने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के डॉ.खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी,छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

बाजपेई नसरी [illegible] कर मन मोह लिया।

हिंदुस्तान 24/09/2023

79 प्रतिभागियों को मिला प्रमाणपत्र

कानपुर। सीएसए में चल रहे छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने प्रशिक्षण लेने वाले सभी 79 अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया। उन्होंने कहा कि मशरूम की पैदावार कर कम लागत में अधिक लाभ कमाया जा सकता है। इसका पैदावार कोई भी व्यक्ति एक छोटे से कमरे से कर सकता है। प्रभारी डॉ. एसके विश्वास ने बताया कि सभी प्रकार के मशरूम पैदावार की जानकारी दी गई।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 85 कानपुर, रविवार 24 सितम्बर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मशरूम प्रशिक्षण समापन, पर प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर । सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय 18 से 23 सितम्बर तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुन: निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों, प्रवासी श्रमिकों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

Sign in to edit and save changes to this file.

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

दि ग्राम टुडे

रविवार, 24 सितंबर 2023 | वर्ष:06 अंक: 32 | पेज: 08, मूल्य: 2 रूपये | उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट,गुजरात,संघ प्रदे

6 दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन, प्रतिभागियों को कुलपति ने वितरित किए प्रमाण पत्र,

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(18 सितम्बर से 23 सितम्बर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान

स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों, प्रवासी श्रमिकों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी,छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 22 कानपुर, रविवार 24 सितंबर-2023 पृष्ठ -8

मशरूम प्रशिक्षण समापन पर प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

नगर प्रतिनिधि

कानपुर।सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(18 से 23 सितम्बर तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ।

इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है।उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है।मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है।

उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुन: निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों, प्रवासी श्रमिकों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सेना के पूर्व कर्मी,छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 79 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।